Hindi-01

ISSN 2319 - 359X
AN INTERNATIONAL MULTIDISCIPLINARY
HALF YEARLY RESEARCH JOURNAL

Peer Reviewed and
UGC Listed Journal No. 47026

ISO 9001 : 2015 QMS
ISBN / ISSN

IDEAL

Single Blind Review /
Double Blind Review

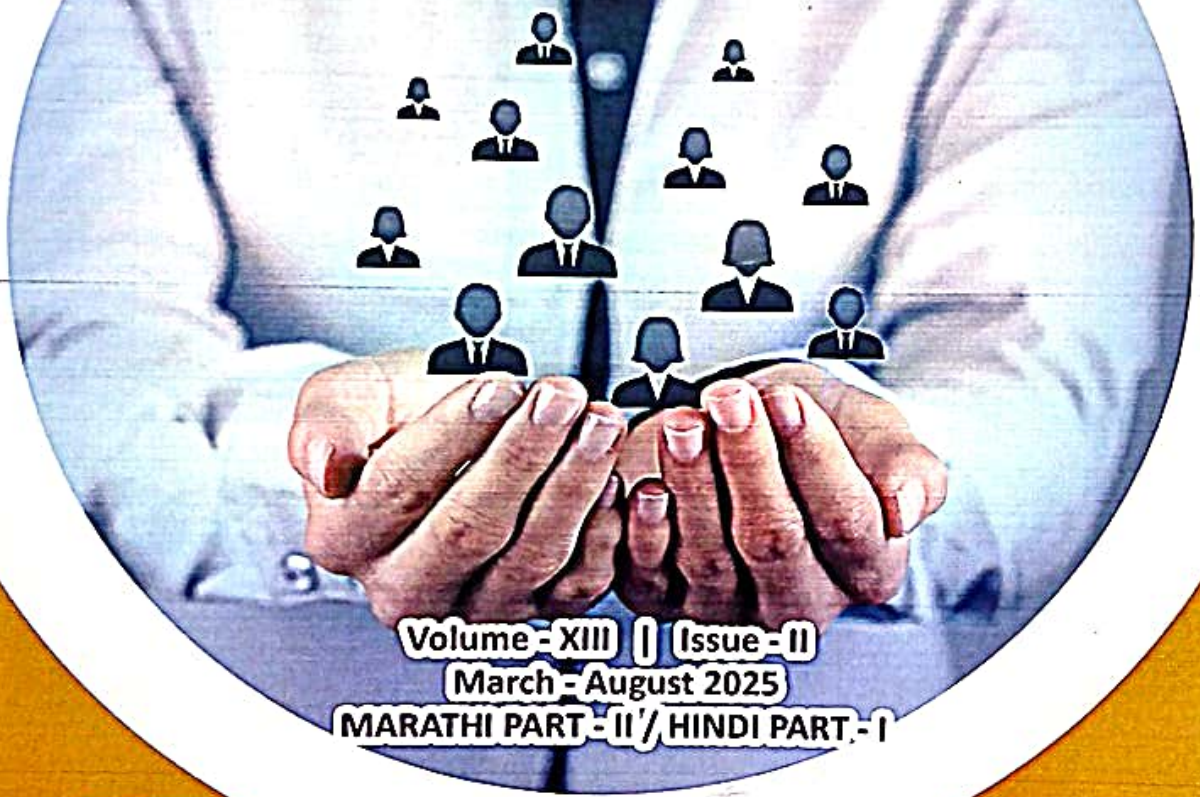

Volume - XIII | Issue - II
March - August 2025
MARATHI PART - II / HINDI PART - I

Impact Factor / Indexing
2023 - 7.537
(www.sjifactor.com)

ISSN 2319 - 359X

AN INTERNATIONAL MULTIDISCIPLINARY
HALF YEARLY RESEARCH JOURNAL

IDEAL

Single Blind Review / Double Blind Review

Volume - XIII | Issue - II | March - August 2025

MARATHI PART - II / HINDI PART - I

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये

Peer Reviewed and
UGC Listed Journal No. 47026

Impact Factor / Indexing
2023 - 7.537
www.sjifactor.com

EDITOR

Dr. Vinay Shankarrao Hatole
Assistant Professor, International Center of Excellence in Engineering
& Management (ICEEM) College, Waluj, Chhatrapati Sambhajinagar. (MS)

PUBLISHED BY

AJANTA PRAKASHAN
Jaisingpura, Chhatrapati Sambhajinagar. (MS)

The information and views expressed and the research content published in this journal, the sole responsibility lies entirely with the author(s) and does not reflect the official opinion of the Editorial Board, Advisory Committee and the Editor in Chief of the Journal **"IDEAL"**. Owner, printer & publisher Vinay S. Hatole has printed this journal at Ajanta Computer and Printers, Jaisingpura, University Gate, Chhatrapati Sambhajinagar (Aurangabad), also Published the same at Chhatrapati Sambhajinagar (Aurangabad)

Printed by

Ajanta Computer,
Near University Gate, Chhatrapati Sambhajinagar (Aurangabad),
Maharashtra, India

Published by

Ajanta Prakashan,
Near University Gate, Chhatrapati Sambhajinagar (Aurangabad),
Maharashtra, India
Cell No. : 9579260877, 9822620877
E-mail : ajanta2023@gmail.com, www.ajantaprakashan.in

IDEAL- ISSN 2319-359X - Impact Factor - 7.537 (www.sjifactor.com)

CONTENTS OF HINDI PART - I

अ.क्र.	लेख आणि लेखकाचे नाव	पृष्ठ क्र.
१	समाज और अर्थव्यवस्था पर नई शिक्षा नीति का प्रभाव: एक व्यापक विश्लेषण **डॉ. सविता वैजनाथआप्पा रुक्के**	१-३
२	राष्ट्रीय शिक्षा नीती २०२०: भारत में पर्यटन विकासकी आवश्यकता **डॉ. व्यास सी. पी.**	४-७
३	नई शिक्षा नीति और उर्दू शिक्षा प्रणाली **डॉ. अंजूमनाहिदरौफ खान**	८-१०

१. समाज और अर्थव्यवस्था पर नई शिक्षा नीति का प्रभाव: एक व्यापक विश्लेषण

डॉ. सविता वैजनाथआप्पा रुक्के
हिन्दी विभाग प्रमुख, मातोश्री शांताबाई गोटे कला, वाणिज्य व विज्ञान महाविद्यालय, वाशिम.

सारांश

नई शिक्षा नीति (NEP) 2020 भारतीय शिक्षा प्रणाली में एक ऐतिहासिक परिवर्तन लाने वाली नीति है, जिसका प्रभाव केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज और अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं को भी प्रभावित करती है। इस नीति का उद्देश्य समावेशी, सुलभ, गुणवत्तापूर्ण और व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देना है, ताकि युवा पीढ़ी को 21वीं सदी की वैश्विक चुनौतियों के अनुरूप तैयार किया जा सके। शिक्षा केवल ज्ञान अर्जन का माध्यम नहीं होती, बल्कि यह सामाजिक संरचना को भी गहराई से प्रभावित करती है। NEP 2020 के तहत शिक्षा प्रणाली को अधिक लचीला, नवाचार-उन्मुख और बहु-विषयक बनाया गया है, जिससे समाज और अर्थव्यवस्था के विकास में इसे एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में देखा जा सकता है।

समाज पर प्रभाव

नई शिक्षा नीति के लागू होने से समाज में कई महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल रहे हैं। पहले शिक्षा प्रणाली कठोर और सीमित विकल्पों वाली थी, लेकिन अब इसे बहु-विषयक दृष्टिकोण के तहत अधिक समावेशी बनाया गया है। छात्रों को अपनी रुचि के अनुसार विषय चुनने की स्वतंत्रता मिलने से न केवल उनकी बौद्धिक क्षमता का विकास हो रहा है, बल्कि इससे समाज में व्यावसायिक दक्षता और आत्मनिर्भरता को भी बल मिला है।

शिक्षा का समावेशीकरण और सामाजिक समानता

नई शिक्षा नीति ने शिक्षा को सभी वर्गों के लिए समान रूप से उपलब्ध कराने का प्रयास किया है। इससे समाज में मौजूद असमानताओं को कम करने में मदद मिलेगी। डिजिटल संसाधनों, ऑनलाइन पाठ्यक्रमों, और मुफ्त शिक्षण सामग्री की उपलब्धता से ग्रामीण एवं वंचित समुदायों के छात्र भी उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। इससे समाज में समानता और समावेशन की भावना को बढ़ावा मिला है।

इसके अलावा, NEP 2020 के अंतर्गत स्थानीय भाषाओं को बढ़ावा दिया गया है, जिससे ग्रामीण और क्षेत्रीय पृष्ठभूमि के छात्रों को शिक्षा ग्रहण करने में आसानी होगी। इससे भाषाई विविधता का सम्मान होगा और समाज में सांस्कृतिक समृद्धि बढ़ेगी।

महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता

महिलाओं की शिक्षा को भी नई शिक्षा नीति में विशेष महत्व दिया गया है। इसमें बालिका शिक्षा को सशक्त बनाने के लिए कई योजनाएँ प्रस्तावित की गई हैं, जिससे लैंगिक समानता को बल मिलेगा और महिलाओं की सामाजिक स्थिति सुदृढ़ होगी। इससे संपूर्ण समाज में सकारात्मक बदलाव आएगा और महिलाएँ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनेंगी।

नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों का पुनरुद्धार

नई शिक्षा नीति ने केवल तकनीकी और व्यावसायिक कौशल पर ही जोर नहीं दिया है, बल्कि यह नैतिकता और सांस्कृतिक मूल्यों के उत्थान को भी ध्यान में रखती है। नीति में पारंपरिक भारतीय मूल्यों, योग, नैतिकता, और सेवा की भावना को पाठ्यक्रम में शामिल करने की बात कही गई है। इससे समाज में नैतिकता, सद्भाव और सहिष्णुता को बढ़ावा मिलेगा।

तकनीकी और डिजिटल साक्षरता का विस्तार

NEP 2020 के तहत डिजिटल शिक्षा को प्राथमिकता दी गई है। इससे समाज में डिजिटल साक्षरता बढ़ेगी और लोग नई तकनीकों को आसानी से अपना पाएंगे। इससे सूचना और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में समाज का जुड़ाव बढ़ेगा, जिससे युवा पीढ़ी को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिलेगी।

अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

नई शिक्षा नीति केवल शैक्षिक सुधारों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका व्यापक प्रभाव अर्थव्यवस्था पर भी देखने को मिलता है। वर्ष 2000 के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी से बदलाव आए, जिसमें उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण (LPG) की नीतियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इससे भारत में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), सेवा क्षेत्र और नवाचार आधारित उद्योगों का विकास हुआ। नई शिक्षा नीति इन क्षेत्रों में कौशल-आधारित शिक्षा को बढ़ावा देकर अर्थव्यवस्था को और सशक्त बना रही है।

रोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा

NEP 2020 में व्यावसायिक शिक्षा पर विशेष जोर दिया गया है, जिससे युवाओं को औद्योगिक क्षेत्रों में कुशलता प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। कौशल विकास कार्यक्रमों और बहु-विषयक पाठ्यक्रमों के माध्यम से छात्रों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान नहीं, बल्कि व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान किया जा रहा है। इससे न केवल बेरोजगारी दर में कमी आएगी, बल्कि स्टार्टअप और उद्यमिता को भी प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे आर्थिक विकास को गति मिलेगी।

वैश्विक प्रतिस्पर्धा में वृद्धि

डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने से भारत के कार्यबल को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनने का अवसर मिलेगा। डिजिटल लर्निंग प्लेटफार्मों के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा सुलभ हो रही है, जिससे छात्रों को नवीनतम तकनीकों और वैश्विक औद्योगिक रुझानों से अवगत होने का अवसर मिल रहा है।

अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा

शिक्षा नीति ने अनुसंधान और नवाचार को भी बढ़ावा दिया है, जिससे विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की स्थिति सुदृढ़ होगी। शोध-संबंधी अनुदानों, अनुसंधान केंद्रों की स्थापना और उद्योग-शिक्षा सहयोग के माध्यम से नवाचार को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इससे नई तकनीकों और उत्पादों का विकास होगा, जो अंततः आर्थिक वृद्धि में सहायक सिद्ध होंगे।

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) को प्रोत्साहन

शिक्षा प्रणाली में सुधारों के माध्यम से कार्यबल की गुणवत्ता में भी सुधार होगा, जिससे विदेशी निवेश को आकर्षित करने सहायता मिलेगी। वैश्विक कंपनियाँ उन देशों में निवेश करना पसंद करती हैं, जहाँ कुशल श्रमिक उपलब्ध होते हैं। NEP 2020 के त

छात्रों को वैश्विक मानकों के अनुरूप तैयार किया जा रहा है, जिससे भारत को एक वैश्विक शिक्षा और नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी।

समाज और अर्थव्यवस्था का परस्पर संबंध

शिक्षा नीति केवल शैक्षिक या आर्थिक सुधारों तक सीमित नहीं रहती, बल्कि यह व्यापक रूप से समाज और अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित करती है। जब समाज में शिक्षा का स्तर ऊँचा होता है, तो इससे आर्थिक विकास को भी गति मिलती है। शिक्षित समाज नवाचार, उद्यमिता और उत्पादकता को बढ़ावा देता है, जिससे संपूर्ण राष्ट्र की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होती है।

निष्कर्ष

नई शिक्षा नीति 2020 समाज और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए एक क्रांतिकारी परिवर्तन लाने वाली पहल है। यह नीति न केवल शिक्षा प्रणाली को आधुनिक और समावेशी बनाती है, बल्कि इससे सामाजिक समानता और आर्थिक वृद्धि को भी बल मिलता है। व्यावसायिक शिक्षा, डिजिटल लर्निंग, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देकर NEP 2020 भारतीय युवाओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार कर रही है। यह नीति भारत को एक ज्ञान-आधारित, नवाचार उन्मुख और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

संदर्भ

१. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 - भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय।
२. भारतीय अर्थव्यवस्था और शिक्षा का विकास - प्रो. अरविंद कुमार, 2021।
३. नई शिक्षा नीति और रोजगार के अवसर - डॉ. सीमा गुप्ता, 2022।
४. आर्थिक विकास और शिक्षा सुधार - डॉ. राजेश वर्मा, 2020।
५. विकासशील भारत में शिक्षा प्रणाली का योगदान - भारतीय शैक्षिक अनुसंधान परिषद, 2019।